

पत्रकारिता जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ओ.डी.एल./ऑनलाइन)

और

एम.ए. में पत्रकारिता और जनसंचार (ओ.डी.एल./ऑनलाइन)

(पी.जी.जे.एम.सी. / एम.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष)

असाइनमेंट

जनवरी 2026 और जुलाई 2026 सत्र

एमजेएम-020/120

एमजेएम-021

एमजेएम-022

एमजेएम-023

एमजेएम-024/124

एमजेएम-025



पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

पी.जी.जे.एम.सी./एम.ए.जे.एम.सी. (ओ.डी.एल./ऑनलाइन) - असाइनमेंट

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको सभी पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक में एक असाइनमेंट जमा करना होगा। असाइनमेंट बनाने से पहले, कृपया प्रोग्राम गाइड में दिए गए विस्तृत निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

प्रत्येक असाइनमेंट के सामने जमा करने की **अंतिम तिथि** दी गई है। कृपया ध्यान दें कि आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को ये उरोक्त सभी असाइनमेंट जमा करने होंगे।

आपको असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर अपना **नामांकन नंबर, नाम, पता, असाइनमेंट कोड और अध्ययन केंद्र कोड** का उल्लेख करना होगा। आपको जमा किए गए असाइनमेंट के लिए अध्ययन केंद्र से **रसीद प्राप्त** करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। असाइनमेंट की एक फोटोकॉपी प्रमाण के तौर पर अपने पास रखना अनिवार्य होगा।

मूल्यांकन के बाद, असाइनमेंट आपको अध्ययन केंद्र द्वारा वापस करने का प्रावधान है। कृपया इस पर जोर दें और अपने पास रिकॉर्ड रखें। आपके द्वारा प्राप्त किए गए अंक केंद्र द्वारा इग्नू, नई दिल्ली में एस.ई.डी. (SED) को भेजे जाएंगे।

असाइनमेंट करने के लिए दिशा-निर्देश

प्रत्येक असाइनमेंट में दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल करें। असाइनमेंट बनाते समय आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा:

योजना: सबसे पहले अध्ययन सामग्री को ध्यान से पढ़ें। कार्यक्रम के लिए आयोजित टेलीकांफ्रेंसिंग सत्र और इंटरैक्टिव रेडियो परामर्श सत्रों में भाग लें। यदि आवश्यक हो तो आप अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र से विवरण भी प्राप्त कर सकते हैं और फिर असाइनमेंट को ध्यान से पढ़ें। जिन इकाइयों पर वे आधारित हैं, उन्हें देखें। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

संगठन: अपने उत्तर की एक रूपरेखा बनाएँ। अपने उत्तर के लिए जानकारी के चयन में विश्लेषणात्मक रहें। परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि असाइनमेंट के:

- तार्किक और सुसंगत हो;
- वाक्यों और पैराग्राफ में जानकारी का उचित प्रवाह हो; और
- आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त विचार करते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

प्रस्तुति: एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाते हैं, तो आप प्रत्येक उत्तर को साफ-सुथरा लिखते हुए, जमा करने के लिए अंतिम संस्करण लिख सकते हैं।

शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. शिखा राय
कार्यक्रम समन्वयक,
पी.जी.जे.एम.सी. एवं एम.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष

shikharai@ignou.ac.in

एमजेएम-024 /124 : मीडिया और समाज

असाइनमेंट 05

(अंतिम तिथि: कृपया अंतिम तिथि पर नवीनतम अपडेट के लिए वेबसाइट देखें)

असाइनमेंट कोड: एमजेएम-024/124

जनवरी 2026/ जुलाई 2026 सत्र

अधिकतम अंक: 100

वेटेज: 30%

नोट: (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं = प्रत्येक 20
(ii) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

- 1) पिछले छह महीनों की कोई विवादित खबर चुनें (कोई राजनीतिक बहस, सामाजिक विरोध, या नीतिगत फैसला) और तुलना करें कि इसे एक मेनस्ट्रीम कमर्शियल न्यूज़ आउटलेट और एक पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टर (DD News / All India Radio) ने कैसे कवर किया। बताएं कि आर्थिक मजबूरियां (मुनाफा/TRP) उनके स्टोरी बनाने के तरीके में कैसे झलकती थीं।
- 2) भारतीय टेलीविज़न विज्ञापनों या फिल्मों में सीनियर सिटीजन ('बुजुर्ग') या दिव्यांग व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व का विश्लेषण और आलोचना करने के लिए स्टीरियोटाइप और आर्कटाइप की अवधारणाओं का उपयोग करें। क्या यह प्रतिनिधित्व सशक्त बनाने वाला है और/या यह एजेंसी को दर्शाता है, या यह निर्भरता और दया पर ज़ोर देता है?
- 3) चर्चा करें कि ग्रामीण भारत में वैकल्पिक मीडिया प्रदान करने के लिए कम्युनिटी रेडियो क्यों महत्वपूर्ण है। एक कम्युनिटी रेडियो स्टेशन का केस स्टडी दें (उदाहरण के लिए, संगम रेडियो, रेडियो बुंदेलखंड, या आपके पास का कोई), और यह रेडियो स्टेशन स्थानीय समुदायों को अपना मीडिया बनाने के लिए कैसे सशक्त बनाता है।
- 4) विकास के क्षेत्र में मीडिया दो उद्देश्यों को पूरा कर सकता है: एक प्रहरी के रूप में और एक भागीदार के रूप में। चर्चा करें कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDGs) को बढ़ावा देने के लिए मीडिया का उपयोग कैसे किया जा सकता है। भारत में मीडिया इवेंट रिपोर्टिंग (किसी आपदा की रिपोर्टिंग) से प्रोसेस रिपोर्टिंग (लंबे समय के बदलावों और प्रक्रियाओं पर रिपोर्टिंग) की ओर कैसे बढ़ सकता है, ताकि यह SDGs को प्राप्त करने में अधिक प्रभावी भागीदार बन सके?
- 5) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (Facebook, Instagram और X) के एल्गोरिदम से संबंधित मीडिया साम्राज्यवाद की अवधारणा की आलोचनात्मक जांच करें। क्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म साझा विचारों और मूल्यों का एक वैश्विक गांव बना रहे हैं, या वे भारतीयों पर पश्चिमी मूल्यों और विश्वदृष्टिकोण को थोप रहे हैं? सूचना के प्रवाह (केंद्र से परिधि बनाम बहु-दिशात्मक प्रवाह) के संदर्भ में इस पर विचार करें।